

न्यायालय अतिरिक्त सम्भागीय आयुक्त, जोधपुर
पीठासीन अधिकारी : ओम प्रकाश बिश्नोई आर.ए.एस.

राजस्व अपील संख्या 201/2023

अपीलाण्ट्स	बनाम	रेस्पोंडेन्ट
1. दानाराम पुत्र रिडमलराम 2. रामलाल पुत्र रिडमलराम 3. सहीराम पुत्र रिडमलराम 4. हनुमानराम पुत्र रिडमलराम जातियान बिश्नोई निवासीगण-ग्राम चिकनीनाडी, चन्दनपुरा, हाल निवास- ग्राम गोदरली, तहसील फलोदी जिला जोधपुर।		1. सुवटी पत्नी किशनाराम जाति बिश्नोई निवासी ग्राम भजननगर, तहसील लोहावट हाल- ग्राम गोदरली तहसील फलोदी जिला जोधपुर। 2. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार, फलोदी जिला जोधपुर।

राजस्व अपील अन्तर्गत धारा 75 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम
बविरुद्ध आदेश दिनांक 12.04.2023 जो उपखण्ड अधिकारी, फलोदी
द्वारा राजस्व प्रार्थना पत्र सं0 41/2022 अनवान सुवटी वगैरा
बनाम दानाराम वगैरा में पारित किया।

उपस्थिति:-

- 1- श्री पूनाराम बिश्नोई, अधिवक्ता अपीलांत की ओर से।
- 2- श्री नवल सिंह दहिया राजकीय अधिवक्ता रेस्पोंडेन्ट संख्या 2 की ओर से।
- 3- शेष रेस्पोंडेन्टस संख्या 1 अनुपस्थित है।

निर्णय

दिनांक 18 सितम्बर, 2023

उक्त अपील के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि अपीलान्टस के द्वारा यह अपील
अधिनस्थ न्यायालय के द्वारा उल्लेखित प्रकरण में पारित आदेश दिनांक 12.04.2023 के
विरुद्ध पेश की गई है जिसके द्वारा ग्राम गोदरली तहसील फलोदी के ख0सं0 199/3
रकबा 1.6967 हैक्टर भूमि की पत्थरगढी किये जाने बाबत अपीलाधीन आदेश प्रसारित
किये गये हैं।

अपील दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोंडेन्टस को नोटिस जारी किये गये। अपीलान्ट
की ओर से रेस्पोंडेन्टस को जारी रजिस्टर्ड नोटिस की रसीदे पेश की गई परन्तु रेस्पों
संख्या 1 की ओर से कोई उपस्थित नहीं हुआ। तत्पश्चात अपीलान्ट के अधिवक्ता द्वारा
की गई बहस को सुना गया।

अपीलान्ट अधिवक्ता के द्वारा अपील प्रस्तुत करने में हुए विलम्ब को क्षमा करने हेतु



अतिरिक्त सम्भागीय आयुक्त
जोधपुर

प्रस्तुत म्याद प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों के आधार पर अपील को अन्दर म्याद शुमार किया जाता है।

दौरान सुनवाई अपीलान्त अधिवक्ता ने यह भी कथन किया कि प्रत्यर्थी सं० 1 के द्वारा अधिनस्थ न्यायालय के समक्ष एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111,128 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम का इस आशय का पेश किया कि उसकी खातेदारी की भूमि ग्राम गोदरली, तहसील फलोदी के ख०सं० 199/3 रकबा 1.6967 हैक्टर भूमि स्थित है। इस भूमि के पूर्व दिशा में चिपते ही वर्तमान अपीलान्तस की संयुक्त खातेदारी की कृषि भूमि ख०नं० 214 आई हुई है। वादग्रस्त भूमि की सीमा संबंधी विवाद होने पर प्रार्थीया ने दिनांक 08.05.2021 को तहसीलदार फलोदी से भूमि की पेमाईश करवायी गयी। अप्रार्थीगण सीमा संबंधी विवाद करते हैं। इस कारण प्रार्थीनी की खातेदारी की भूमि की पत्थरगढी की जावे।

अपीलान्त अधिवक्ता ने यह भी कथन किया कि अधिनस्थ न्यायालय के द्वारा अपीलार्थीगण को उक्त प्रार्थना पत्र दर्ज करते हुए सुनवाई हेतु नोटिस जारी किया। नोटिस प्राप्त होने पर अपीलार्थी द्वारा अपना अधिवक्ता मुकर्रर किया एवं जवाब पेश किया जिसमें नक्शा ट्रेस की प्रतिलिपि वक्त बहस प्रस्तुत करने का निवेदन किया गया था। तत्पश्चात अधिनस्थ न्यायालय के द्वारा अपीलार्थी के बिना सुने ही रेस्प० संख्या एक के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए पत्थरगढी करने का अपीलाधीन आदेश पारित कर दिया। जिसके विरुद्ध यह अपील न्यायालय हाजा के समक्ष पेश की जा रही है।

अपीलान्त अधिवक्ता ने यह भी कथन किया कि अधिनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलार्थीगण को बिना सुनवाई का अवसर दिये, अपीलार्थी के अधिवक्ता की बहस सुने बिना ही एकतरफा अपीलाधीन आदेश पारित कर दिया जबकि अप्रार्थीया के प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अनुसार ख० नं० 214 जो अपीलार्थीगण के खातेदारी की भूमि है एवं प्रार्थी के ख० सं० 199/3 में सीमा संबंधी विवाद है, इस कारण जब तक दोनों खसरों की पेमाईश विधिवत रूप से नहीं हो जाती तब तक निष्पक्ष रूप से पत्थरगढी की कार्यवाही सम्पादित की ही नहीं जा सकती। अधिनस्थ न्यायालय द्वारा खसरा नं० 214 के पेमाईश एवं पत्थरगढी के संबंध में किसी प्रकार का आदेश ही पारित नहीं किया। अपीलार्थीगण ने निवेदन किया था कि उनकी खातेदारी भूमि ख० नं० 214 की भी पेमाईश करवाई जाकर पत्थरगढी की जावे। अधिनस्थ न्यायालय द्वारा प्रत्यर्थी के ख० नं० 199/3 की रकबा भूमि की अकेले की पत्थरगढी का आदेश पारित कर दिया जो बहाल रखने योग्य नहीं है।

अपीलान्त अधिवक्ता ने यह भी कथन किया कि रेस्प० संख्या 1 की खसरा संख्या



अतिरिक्त सम्भागीय आयुक्त
जोधपुर

199/3 रकबा 1.6997 भूमि जो जमाबन्दी में दर्ज है उस अनुसार कब्जा एवं काश्त मौके पर नहीं है एवं रेस्पोंड संख्या एक पत्थरगढी बाबत पारित अपीलाधीन आदेश की आड में अपीलार्थीगण के खसरा नं० 214 में कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं जो कानूनन नहीं किया जा सकता। इसके अतिरिक्त राजस्थान भू राजस्व अधिनियम की धारा 111 में जब निर्विवादित पैमाइश रिपोर्ट उपलब्ध हो तो ही उपखण्ड अधिकारी धारा 128 के तहत पत्थरगढी का आदेश पारित कर सकते हैं। इस प्रकरण में फर्द पैमाइश दिनांक 08.05.2021 एक तरफा तैयार की गई है उस पैमाइश की अपीलार्थीगण को कोई सूचना नहीं दी गई है। पैमाइश रिपोर्ट में यह तथ्य आया है कि ख० नं० 199 की भूमि पडोसी खातेदार के ख० नं० 214 व 216/2 में दबी हुयी है अर्थात् मूल ख० नं० 199 की भूमि मौके पर कम है। इस कारण अपीलाधीन आदेश पारित किये जाने से पूर्व अपीलार्थीगण के आवश्यक थी, मात्र रेस्पोंडेन्टस की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए पत्थरगढी किये जाने का आदेश पारित किया गया है जोकि अधीनस्थ न्यायालय के द्वारा एकतरफा पारित किया गया आदेश है जो प्राकृतिक न्यायिक सिद्धान्त के विपरित होने से निरस्त किया जावे तथा अपीलान्टस की अपील को स्वीकार की जावें।

प्रत्युत्तर में रेस्पोंडेन्ट संख्या 2 की ओर से उपस्थित राजकीय अधिवक्ता ने यह कथन किया कि अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष रेस्पोंडेन्टस की ओर से अपनी खातेदारी भूमि की सीमा पर पत्थरगढी करवाने हेतु आवेदन किया गया जिस पर उक्त प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए वादग्रस्त भूमि की पैमाइश करने व पत्थरगढी किये जाने का अपीलाधीन आदेश पारित किया गया है जो यथावत बहाल रखा जावें।

हमने अपीलान्ट के अधिवक्ता एवं राजकीय अधिवक्ता की ओर से की गई पर बहस पर मनन किया। अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली एवं उसमें उपलब्ध दस्तावेजों, अपीलाधीन आदेश दिनांक 12.04.2023 इत्यादि दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। जिससे यह पाया गया कि अपीलाधीन प्रकरण में अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली में प्रस्तुत मौका फर्द पैमाइश में ख० सं० 199/3 की भूमि पडोसी खसरा संख्या 214 में आंशिक रूप से दबी हुई होना दर्शाया है, उक्त मौका फर्द तैयार करते समय मात्र रेस्पोंडेन्टस को ही मौके पर उपस्थित रहना मौका फर्द से प्रकट होता है जबकि ऐसे विवादित प्रकरणों में जब विरोधाभाष हो तो अन्य प्रभावित खसरान के खातेदार/काश्तकारों को भी मौके पर उपस्थित रहने हेतु पाबन्द किया जाना चाहिये और अधीनस्थ न्यायालय को भी चाहिये था कि वादग्रस्त भूमि पर ऐसा विवाद सामने



अतिरिक्त अन्वयित
जोधपुर

पर वह प्रभावित पक्षकारान को अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर प्रदान करते। इस प्रकार अपीलान्ट की अपील आंशिक रूप से स्वीकार योग्य होने से अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित अपीलाधीन आदेश को निरस्त करते हुए प्रकरण पुनः सुनवाई हेतु प्रतिप्रेषित किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः उपरोक्त समस्त तथ्यों पर विवेचन एवं विश्लेषण के परिणामस्वरूप अपील अपीलान्टस आंशिक रूप से स्वीकार की जाती है तथा उपखण्ड अधिकारी, फलौदी के द्वारा पारित आदेश दिनांक 12.04.2023 को निरस्त किया जाता है तथा प्रकरण अधीनस्थ न्यायालय को इन निर्देशों के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि वे अपीलान्टस एवं रेस्पोंड संख्या 1 के खेत खसरान की भूमि की उनकी उपस्थिति में मुस्तकील बिन्दु से सीमाज्ञान करवावे तत्पश्चात मौका फर्द/मौका नक्शा प्राप्त करते हुए उभय पक्षकारान को सुनवाई का मौका दिये जाने के उपरान्त पुनः पैमाइश व पत्थरगढी सम्बन्धी यथोचित आदेश पारित करें। निर्णय आज दिनांक 18 सितम्बर, 23 को सरे इजलास सुनाया गया।



(ओम प्रकाश बिश्नोई)
अतिरिक्त संभागीय आयुक्त,
जोधपुर
अतिरिक्त संभागीय आयुक्त
जोधपुर